VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 11 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1841)

Name of Candidate	SHASHI SHEKHAR		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	742438
Center	MN- DELHI	Date	11/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain the meaning of self-efficacy, along with its key determinants. Also, discuss the significance of high self-efficacy for a civil servant.

(150 words) 10

आत्म-प्रभावकारिता और इसके प्रमुख निर्धारकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। साथ ही, एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आत्म प्रभावकारिता का आशय अपने कार्यों तथा निर्णय निर्माण प्रक्रिया में खुद के ज्ञान, अनुभव तथा आत्मविश्वास पर समर्थन से लगाया जाता है।

आत्म-प्रभावकारिता के निर्धारक

- आत्मविश्वास की भावना का समर्थन तथा उसके प्रति सीखने की भावना का विकास
- सामाजिक प्रथाओं तथा प्रणालियों की समझ बनाकर मानवीय मूल्यों का विकास
- उचित तथा अनुचित के बीच अंतर करने हेतु नैतिक ज्ञान तथा नीतिशास्त्रीय सिद्धांतों की समझ
- कौशल, दक्षता तथा ज्ञान के विकास को बढ़ावा देने हेतु निरंतर प्रयास तथा उपायों के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रति सहयोगात्मक रूख

सिविल सेवकों के लिए उच्च आत्मप्रभावकारिता का महत्व

- शासन प्रक्रिया की मूल भावना को समझने तथा बेहतर रूप से कार्य-निष्पादन को अंजाम देने में सहायक
- पारदर्शिता तथा जवाबदेही की भावना का विकास करने में सहायक
- सार्वजनिक सेवा वितरण में दक्षता तथा कुशलता का समावेश करना
- परोपकार, साहस, सहानुभूति जैसे मूल्यों का समर्थन तथा उनका सुदृढ़ीकरण

सुशासन के लक्ष्यों तथा जनकेंद्रित नीतियों के कार्यान्वयन में सिविल सेवकों की अहम भूमिका के मद्देनजर उनमें उपरोक्त आत्म प्रभावकारिता की अहम भूमिका हो जाती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do. Discuss. **(150 words) 10**

आपको क्या करने का अधिकार है और क्या करना सही है, इसके मध्य का अंतर जानना ही नीतिशास्त्र है। चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र उन मानकों, मूल्यों तथा सिद्धांतों का सेट होता है जो व्यक्ति एवं समाज के आचरण तथा औचित्यता का नैतिक परीक्षण करते हैं।

क्या करने का अधिकार वस्तुतः नागरिक को मिली मूलभूत एवं राजनीतिक अधिकार होते हैं। इनसे व्यक्ति के राजनीतिक-आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। न्याय की प्राप्ति में इसकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है।

वहीं इसकी ओर, क्या सही है। वस्तुतः नैतिक आचरण तथा मानदंडों के अनुरूप निर्धारित तथा उल्लेखित होता है। इसमें सामाजिक मूल्यों तथा नैतिक प्रथाओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से सुसंगत आचरण, क्रियाकलाप तथा कार्यों की वैधता को समर्थन प्रदान किया जाता है।

इस संदर्भ में नीतिशास्त्र की भूमिका

- क्या सही है और क्या गलत है, के बीच एक स्पष्ट समझ विकसित करने में सहायक
- सर्वोत्तम मानवीय आचरण हेतु प्रमुख प्रणालियों तथा सिद्धांतों हेतु समझ विकसित करना
- सामाजिक गतिशीलता को समर्थन एवं कुप्रथाओं हेतु विरोध का मार्ग तैयार करना
- नैतिक मूल्यों के प्रति व्यक्तिगत तथा सामाजिक सोच का सुदृढ़ीकरण करना

उपरोक्त के अनुसार ही अधिकारों की नैतिक व्याख्या से सुसंगत प्रथाओं के संदर्भ में नीतिशास्त्र की महत्ता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Dealing with an ethical dilemma not only requires following rules and regulations, but also requires adherence to moral prudence and altruism. Explain in the context of civil services in India, with examples.

(150 words) 10

किसी नैतिक दुविधा से निपटने के लिए न केवल सहायक नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है, बल्कि नैतिक विवेक और परोपकारिता के पालन की भी आवश्यकता होती है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

दो सही विकल्प या दो गलत विकल्पों के मध्य चयनात्मक द्वंद्व ही नैतिक दुविधा कहलाता है।

नैतिक दुविधा निराकरण में नियमों की भूमिका

- विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का पालन करके निर्मित विधि या नियम सामान्यतः नैतिक ही होते हैं।
- दुविधा के संदर्भ में स्पष्ट प्रयागत विकल्पों का चयन करने में सहायक
- विधिक रूप से सही कार्य का संपादन
- आचरण नियमावली में अपेक्षित भूमिका के अनुरूप

उपरोक्त के संदर्भ में किसी भी कार्य हेतु नियम देखना बेहतर उदाहरण है जैसे- DBT

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हेतु आधार तथा मोबाइल नं. की मांग करना भले ही प्रक्रिया में विलंब हो।

इस संदर्भ में नैतिक विवेक तथा परोपकारिता

- व्यक्तिगत नैतिक मानदंड युक्त विवेक से व्यवहारिक तौर पर सुगम एवं त्वरित न्याय तथा सेवा उपलब्धी संभव, जैसे- राशन कार्ड अभाव के बावजूद योजनाओं का लाभ हेतु उपाय करना
- परोपकारिता की भावना से निःस्वार्थ कर्म तथा सहानुभूती जनित कार्य निष्पादन प्रणाली, जैसे - माफिया से पीड़ित व्यक्ति को तत्काल सेवाओं की डिलीवरी देना

व्यवहारिकता तथा सैद्धांतिक के मध्य चयन में अंतरात्मा जनित नैतिक विश्वास तथा परोपकारिता के मूल्य का महत्व काफी महत्वपूर्ण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(b)** The Code of Conduct for the civil services in India has merely remained a code; it has not helped promote ethical and moral values in governance. In this context, discuss the need for a National Commission on Integrity and Transparency in Governance. **(150 words) 10**

भारत में सिविल सेवाओं के लिए आचरण संहिता केवल एक संहिता बनकर रह गई है; इसने शासन (गवर्नेंस) में नीतिपरक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद नहीं की है। इस संदर्भ में, शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

सिविल सेवकों के लिए केंद्रीय सिविल सेवा आचरण नियमावली, अखिल भारतीय सेवा आचरण नियमावली जैसे आचरण संहिता विद्यमान हैं।

आचरण संहिता से जुड़े मुद्दे

- लोकसेवकों में अपनाने के प्रति गंभीरता तथा निष्ठा का अभाव
- अपर्याप्त विधायी तथा प्रवर्तन उपायों की वजह से सिर्फ मानक पुस्तक रहना
- ACR मूल्यांकन में इसका संदर्भन नहीं
- बदलते परिवेश तथा नित परिवर्तनशील दुनिया में आचरण संहिता में पर्याप्त बदलाव नहीं होना जिससे इसके कई प्रावधानों का

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अप्रसांगिक हो जाना

सत्यनिष्ठा तथा पारदर्शिता पर आयोग की जरूरत

- शासन में भ्रष्टाचार के बढ़ते मामलों तथा लोकसेवकों की अवैध संलिप्तता के दृष्टिगत
- आचरण संहिता के बावजूद नीतिपरक मूल्यों का पर्याप्त विकास ना होने की वजह से
- नैतिक संहिता (कोड ऑफ एथिक्स) की जरूरत तथा औचित्यता
- जवाबदेही तथा जिम्मेदारी की भावना को प्रोत्साहन देना

द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग सहित अन्य समितियों की सिफारिशों के अनुरूप व्यापक विचार-विमर्श को इस संदर्भ में आगे कदम बढ़ाने की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Digital ethics principles are necessary to prevent erosion of public values and deal with the ethical implications of digitizing governance systems. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने और शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटने के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।

ई-शासन के विभिन्न स्वरूपों तथा प्रक्रियाओं में नैतिक मूल्यों तथा नीतिपरक प्रथाओं का विकास करना डिजिटल एथिक्स के दायरे में आता है।

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने में इसकी भूमिका

- सार्वजनिक सेवा वितरण में तटस्थता, निष्पक्षता, भेदभावरहित प्रक्रियाओं के विकास में AI तथा मशीन लर्निंग का रोल
- दक्षता तथा कुशलता बढ़ाने में तकनीकी उन्नयन की सहायता लेना
- भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहायक
- अवैध गठबंधन, लीकेज, सार्वजनिक धन का अपव्यय रोकने में उपयोग डिजिटल

सिद्धांतों की महत्ता को महत्व देना

डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटना

- मानवीय मूल्यों को प्रक्रियागत प्रथाओं पर ज्यादा वरीयता देने में सहायक
- निर्णय निर्माण में मशीनीकरण की चुनौती की जगह करुणा, दया जैसे मूल्यों का भी महत्व
- डिजिटल डिवाइड जैसी चिंताओं के मद्देनजर पर्याप्त वैकल्पिक उपायों का सेट तैयार करना
- सुशासन तथा जनोन्मुखी विकास लक्ष्यों की प्राप्ति पर बल

अपरोक्त के साथ साइबर अपराध, हैकिंग, बुलिंग, फिशिंग जैसी चुनौतियों से निपटने में भी डिजिटल एथिक्स सिद्धांत प्रभावी भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Despite differences in terms of organizational values guiding the public and private sectors, there remain certain values that are equally important to both. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले संगठनात्मक मूल्यों के संदर्भ में मतभेदों के बावजूद, कुछ मूल्य ऐसे हैं, जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए।

मूल्य वैसे सिद्धांतों, प्रक्रियाओं तथा आचरण के सेट होते हैं जो हमारे क्रियाकलाप तथा निर्णय प्रक्रिया को निर्देशित तथा प्रभावित करते हैं।

सार्वजनिक मूल्य बनाम निजी मूल्य

① सार्वजनिक सेवा वितरण में निष्पक्षता, तटस्थता की भावना	① सेवा वितरण में लाभप्रदता तथा रिटर्न की भावना
② परोपकारिता तथा सामाजिक समावेश	② संगठन के आर्थिक हितों की संरक्षण
③ न्यायोचित सेवा वितरण	③ न्याय की जगह दक्षता तथा कुशलता पर बल
④ पारदर्शिता, एकांतपन तथा जवाबदेही का महत्व	④ किसी भी तरह से संगठन के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) लाभप्रदता की जगह समावेशिता पर जोर	अनुरूप निर्णय निर्माण प्रक्रिया को प्रभावित करता
(6) सामाजिक तथा आर्थिक कल्याण पर फोकस रखना	(5) आचरण तथा गरिमा संरक्षण को उतना महत्व नहीं
(7) गरिमा तथा मानवीय अभ्यास का सुदृढ़ीकरण	(6) पदानुक्रम की उपेक्षा संभव

दोनों के लिए महत्वपूर्ण समान मूल्य

- अपने हितधारकों के हितों की बढ़ोतरी तथा संवर्धन का प्रयास करना
- दक्षता तथा कुशलता को प्रोत्साहन
- वित्तीय अनुशासन बनाये रखने पर जोर
- ईमानदारी, सत्यनिष्ठा युक्त कर्मचारियों को वरीयता

उपरोक्त के संदर्भ में CSR, पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता जैसे आयामों का भी व्यापक महत्व है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(a)** Bring out the difference between accountability and responsibility. Also, discuss the significance of accountability in ensuring ethical governance in the context of India. **(150 words) 10**

जवाबदेही और उत्तरदायित्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारत के संदर्भ में नैतिक शासन (एथिकल गवर्नेंस) को सुनिश्चित करने में जवाबदेही के महत्व की विवेचना कीजिए।

जवाबदेही वस्तुतः विधिक स्वरूप लिये हुए मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अंतर्गत सौंपे गये कार्यों की औचित्यता सिद्ध करने हेतु संस्था/व्यक्ति पर दबाव रहता है यह कार्यों की वैधानिकता का परीक्षण कर पारदर्शिता बढ़ाने में सहायक होता है।

उत्तरदायित्व का संदर्भ सामान्यतः नैतिक स्वरूप का होता है इसमें कार्य संपादन के अनुरूप नैतिक मूल्यों के अन्वेषण की अपेक्षा रहती है उत्तरदायित्व का विधिक पुरातन जवाबदेही की तुलना में अस्पष्ट दिखाई पड़ता है उत्तरदायित्व की भावना ही हालांकि जवाबदेही के

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल्य को बढ़ावा देती है तथा उसका संवर्द्धन सुनिश्चित करती है।

नैतिक शासन में जवाबदेही का महत्व

- सार्वजनिक सेवकों को उनके कार्य निष्पादन के प्रति जवाबदेह बनाकर बेहतर निष्पादन संभव
- भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहायक
- सार्वजनिक धन का अपव्यय रोककर उसका न्यायोचित वितरण सुनिश्चित
- सुशासन लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक

उपरोक्त के साथ जनता की आकांक्षाओं तथा जनोन्मुखी भावना का विकास भी संभव होता है। प्रशासन में अनुक्रियाशीलता प्रोत्साहन की महत्ता को भी इसी संदर्भ में देखा जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** Though laws and rules can be considered as the principal guide on morality for public administrators, they are not sufficient in themselves. Substantiate with examples. **(150 words) 10**

हालांकि कानूनों और नियमों को लोक प्रशासकों के लिए नैतिक आदर्शों हेतु प्रमुख मार्गदर्शक माना जा सकता है, किंतु ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

लोकसेवकों को अपने कार्यों के निष्पादन में जटिल तथा विविध समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस संदर्भ में नियम, विधि के साथ-2 अंतः करण तथा अंतरात्मा का भी व्यापक महत्व है।

कानूनों/नियमों की नैतिक आदर्शों में मार्गदर्शक की भूमिका

- विधि सामान्यतः नैतिकता से युक्त रहती है, क्योंकि पर्याप्त विधायी चर्चा तथा लोकतांत्रिक संवाद से निर्मित
- विधि के पालन से कर्तव्यनिष्ठा संभव
- पारदर्शिता तथा जवाबदेही की भावना के विकास में सहायक
- निष्पक्षता, तटस्थता तथा गैर-भेदभावपूर्ण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कार्य निष्पादन तथा निर्णयन में सहायक

मार्गदर्शक की भूमिका में अन्य आयाम

- नैतिक दुविधा के निराकरण में अंतरात्मा की आवाज की महत्ता, जैसे - बिना पहचान कार्ड के वंचितों को राशन कार्ड की उपलब्धता कैसे दी जाये, का निराकरण
- 2 तुलनात्मक सही या गलत के बीच द्वारा मानवीय निर्णय लेने में समर्थ बनाना जैसे - आपदा राहत कार्यों में किसको द्वारा प्राथमिकता दी जाए
- नैतिक सिद्धांतों तथा सामाजिक मान्यताओं के अनुरूप निर्णय निर्माण को बढ़ावा

व्यवहारिकता में दिन-प्रतिदिन के कार्यों में विधि के साथ नैतिकता युक्त अंतरात्मा का भी व्यापक महत्व है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) Transparency is vital to cultivate public trust in government and to prevent, detect and deter corruption effectively. Comment.

(150 words) 10

पारदर्शिता, सरकार में जनता के विश्वास को विकसित करने और भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोकने, इसका पता लगाने एवं निवारण करने के लिए महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

पारदर्शिता एक ऐसा मूल्य है जिसके तहत कार्य की वैधता, औचित्यता तथा निर्णय निर्माण में निहित तर्काधारों की जानकारी तथा सूचना संबंधित हितधारकों तक पहुंचायी जाती है।

पारदर्शिता तथा सरकार में जनता का विश्वास

- कार्यक्रमों के पीछे के आधारों की समझ तथा व्याख्या से उसके प्रति सकारात्मक रूख का विकास होना
- जवाबदेहिता को बढ़ावा देकर सुशासन हेतु प्रतिबद्धता का दावा करने में सहायक
- सार्वजनिक भलाई तथा राजनीतिक-आर्थिक कल्याण की मंशा को बढ़ावा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भ्रष्टाचार उन्मूलन तथा प्रबंधन में पारदर्शिता का महत्व

- पारदर्शिता से सार्वजनिक डोमेन में सूचनाओं तथा आंकड़ों की पहुँच जिससे समाज द्वारा उसकी जाँच संभव
- लोकसेवकों द्वारा अवैध तथा अनुचित कार्यों को रोकना संभव
- सार्वजनिक व्यय अपव्यय तथा कुप्रबंधन के प्रति जवाबदेहिता का विकास करके जिम्मेदार ठहराना
- आगामी नीतियों/कार्यक्रमों हेतु सर्वोत्तम प्रथाओं तथा प्रणालियों का सुझाव देना

सुशासन तथा कल्याण के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पारदर्शिता महत्वपूर्ण है इस संदर्भ में RTI एक्ट, लोकपाल तथा लोकायुक्त आदि की महता विद्यमान है

5. **(b)** 'Just-in-time' release of funds heralds a significant reform for the Indian government's payment architecture. Discuss. **(150 words) 10**

'सही समय पर' फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है। चर्चा कीजिए।

सार्वजनिक धन का योजनाओं तथा कार्यक्रमों हेतु विभिन्न सरकारों, विभागों तथा एजेंसियों को अंतरित करना भुगतान संरचना के अंतर्गत आता है।

सही समय पर फंड जारी करने का महत्व

- कार्यान्वयन हेतु सर्वोत्तम वित्तीय प्रथाओं को सहजता तथा सुगमता से अपनाने में आसानी
- त्वरित सेवा निष्पादन से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव
- सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली की सक्षमता, दक्षता तथा कुशलता को बढ़ावा देने में सहायक
- राजकोषीय उपायों की दक्षता तथा निगरानी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का ज्यादा बेहतर मूल्यांकन संभव

आगे के सुधार कार्यक्रम की रूपरेखा

- राजकोषीय अंतरण में परिणाम अनुरूप प्रथाओं का समावेश
- ट्रेजरी सिंगल एकांउट के माध्यम से ज्यादा सुगम तथा सरल अंतरण को बढ़ावा
- मशीन लर्निंग, डाटा आधारित विश्लेषण तथा AI आधारित उपायों की महत्ता तथा दक्षता का लाभ उठाने का प्रयास
- वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा ज्यादा प्रभावी भूमिका का निर्वहन

उपरोक्त के साथ संचित निधि के ज्यादा स्पष्ट तथा प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने हेतु प्रतिबद्धता तथा सहयोग पर भी कार्य करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

(a) "The happiness of your life depends upon the quality of your thoughts."- Marcus Aurelius **(150 words) 10**

"आपके जीवन की खुशी आपके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।" - मार्कस ऑरेलियस

प्रस्तुत पंक्ति के माध्यम से व्यक्ति के जीवन की खुशी के विभिन्न प्रेरक कारकों तथा उसकी गुणवत्ता में वैचारिक आयाम का महत्व दर्शाया गया है

प्रस्तुत पँक्ति का मेरे लिए अभिप्राय

- व्यक्तिगत खुशी के विकास में वैचारिक उद्यमिता तथा ज्ञान का महत्व
- व्यक्ति के विचार उसके ज्ञान, अनुभव तथा सामाजिक अन्योन्क्रिया का परिणाम, अतः विचारों की गुणवत्ता निर्धारण में उसके सामाजिक परिवेश तथा शिक्षा की भूमिका को मान्यता देना
- विचार के अनुरूप नैतिक मानदंड तथा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आचरण की शुचिता का निर्धारण संभव जिससे खुशी की मात्रात्मक महत्ता की जगह गुणात्मक महत्ता पर जोर

प्रस्तुत कथन की समकालीन प्रासंगिकता

- भौतिकवादी तथा तेजी से बदलते मानवीय संबंधों में खुशी ढूंढने में वैचारिक उन्नयन के महत्व को दर्शाना
- समाज, समुदाय तथा परिवार की महत्ता को विचार निर्माण तथा खुशी से जोड़ना
- ईमानदारी, सहानुभूति जैसे मूल्यों का विकास कर जवाबदेही एवं पारदर्शिता युक्त आचरण का निर्माण

व्यक्तिगत आचरण को नैतिक बनाकर खुशी की अवधारणा का प्रभावी रूपांतरण संभव है

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "The forces in a capitalist society, if left unchecked, tend to make the rich richer and the poor poorer." — Jawaharlal Nehru **(150 words) 10**

"एक पूंजीवादी समाज की शक्तियों को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे अमीर को और अमीर तथा गरीब को और गरीब बना देंगी।" - जवाहरलाल नेहरू

प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से नेहरूजी ने पूंजीवादी समाज एवं व्यवस्था की खामियों का उल्लेख बताया है

उपरोक्त पंक्ति की प्रासंगिकता तथा महत्व

- सिर्फ आत्मकेंद्रित लाभ तथा भौतिकवादी उन्नति की मानसिकता से कार्य क्रियान्वन करने का प्रभाव सामाजिक-आर्थिक असमानता के रूप में दिखाई देना
- वंचित, पिछड़े तथा शोषित वर्गों में असुरक्षा की भावना आज भी विद्यमान तथा इस दौर में पूंजीवादी व्यवस्था का प्रभाव दिखना
- लाभों तथा सेवाओं का प्रभावी, इष्ट तथा न्यायोचित बंटवारे की जगह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पूंजीवादी ताकतों के पक्ष में नीतियों तथा कार्यक्रमों का विकास

— असमानता, गरीबी, भूखमरी आदि की खाई का और गहरा होना

उपरोक्त को नियंत्रित करने की आवश्यकता

— सामाजिक, राजनैतिक तथा आर्थिक अधिकारों की संवृद्धि में सहायक

— मानवीय गरिमा को महत्व

— सामुदायिक विकास तथा कल्याण को बढ़ावा

— न्याय प्राप्ति में सहायक

इंडिया तथा भारत की खाई को भरने में समाजवादी मूल्यों की महत्ता आज भी प्रासंगिक है ताकि सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "Honesty is the first chapter in the book of wisdom". – Thomas Jefferson
(150 words) 10

"ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है।" - थॉमस जेफरसन

जेफरसन के द्वारा उल्लेखित यह कथन ईमानदारी के महत्व को दर्शाता है तथा ज्ञान प्राप्ति में इसकी भूमिका की व्याख्या प्रदान करता है।

ज्ञान प्राप्ति में ईमानदारी का महत्व

- ईमानदारी से मानवीय आचरण की शुचिता का निर्धारण होता है। ज्ञान की मूलभूत विशेषता इसी शुचिता की भावना को बढ़ावा देना है।
- स्वयं के मूल्यों के प्रति विश्वास से पारिवारिक तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा जिससे ज्ञान के सही मर्म समझने में आसानी
- बिना ईमानदारी के ज्ञान से अहंकार,

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वार्थ, जैसे दुर्गुणों का विकास और ज्ञान की जगह अज्ञान का प्रतिबिंब

- ज्ञान के मूल उद्देश्य के रूप में सिद्धांतों तथा आचरण की औचित्यता पर बल ताकि इसकी महत्ता को सामाजिक कल्याण से जोड़ा जाये।

बिना ईमानदारी के ज्ञान से ना सिर्फ व्यक्ति में हिंसक, स्वार्थी तथा अहंकार युक्त उच्च भावनाओं का विकास होता है, बल्कि सामुदायिक तथा सामाजिक समरसता पर भी प्रहार पड़ता है।

वर्तमान साइबर हमलों, राष्ट्रों के चरम-आक्रामक रवैये, मानवीय मूल्यों के ह्रास आदि में इसका संदर्भ देखा जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. You are posted as a District Magistrate in a district, which is witnessing a high caseload of COVID-19 pandemic patients. The physical infrastructure and human resources in the district are stretched much beyond their capacity. At the peak of the pandemic, certain reports emerge that the District Medical Officer has been misusing his position to abuse female employees in his department and coercing them to have sexual relations with him. However, the concerned officer not only has an impeccable academic record but also a profound professional track record. You also need his presence and guidance to deal with the pandemic situation in the district. But, there is pressure from the media and civil society organisations to immediately report the matter to the State authorities for action against the concerned officer.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Discuss their pros and cons.

(c) What will be your final course of action? Justify with reasons. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, जहां कोविड-19 महामारी के रोगियों की संख्या काफी अधिक है। जिले में भौतिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधन का उनकी क्षमता से बहुत अधिक दोहन हो रहा है। महामारी के चरम पर, कुछ रिपोर्ट्स सामने आती हैं कि जिला चिकित्सा अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर अपने विभाग में महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है एवं उन्हें उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का न केवल त्रुटिहीन अकादमिक रिकॉर्ड है, बल्कि उसका पेशेवर ट्रैक रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए आपको उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। लेकिन, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य के अधिकारियों को तुरंत मामले की सूचना देने का दबाव है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनके गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए।

(c) आपकी अंतिम कार्रवाई क्या होगी? कारण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

उपरोक्त संदर्भ में पेशेवर नैतिकता तथा मानवीय आचरण के बीच संबंध

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की अपेक्षा को सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली से संबद्धता के साथ जोड़ा गया है।

(ग)

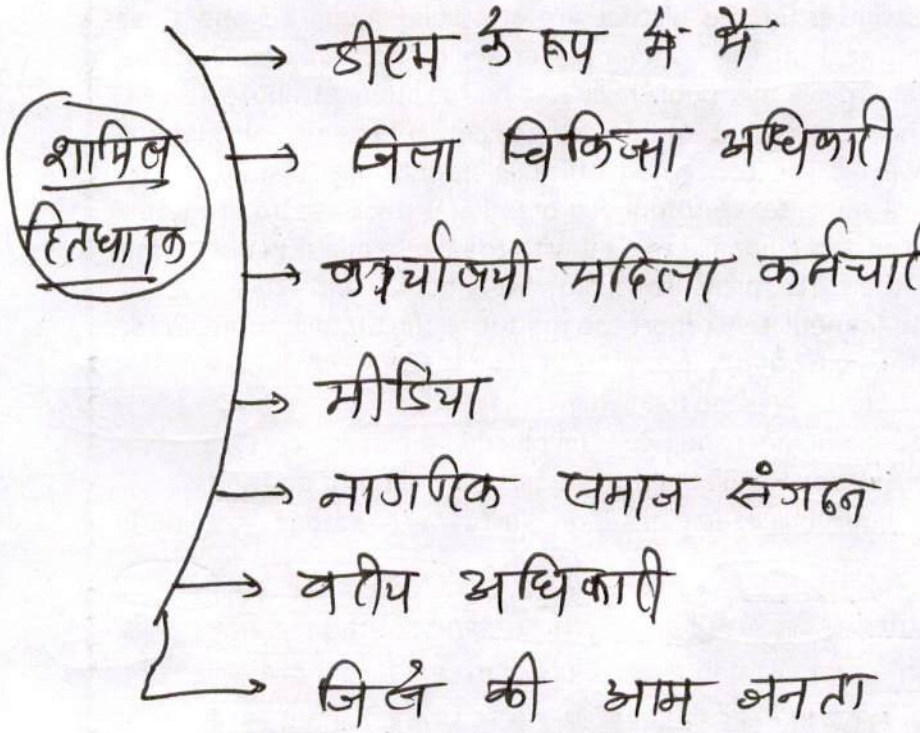

शामिल हितधारक
→ डीएम के रूप में मैं
→ जिला चिकित्सा अधिकारी
→ गर्भवती महिला कर्मचारी
→ मीडिया
→ नागरिक समाज संगठन
→ वरीय अधिकारी
→ जिले की आम जनता

शामिल विभिन्न मुद्दे

- आपदा प्रबंधन तथा महामारी उन्मूलन
- संसाधनों तथा भौतिक संरचनाओं का क्षमता से ज्यादा दोहन
- मानव संसाधन पर दबाव तथा कार्य का बोझ

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- पद का दुरुपयोग
- अधीनस्थों से दुर्व्यवहार
- अनैतिक तथा गैरकानूनी यौन संबंध की मांग
- महिला की गरिमा
- चिकित्सा अधिकारी का पेशेवर रिकॉर्ड बनाम व्यक्तिगत आचरण
- सूचना का अधिकार
- यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जांच
- मीडिया तथा नागरिक समाज संगठनों का दबाव

(b) उपलब्ध विकल्प तथा गुण-दोष

विकल्प 1 → वरीय अधिकारियों को कार्रवाई तथा जांच हेतु मामला प्रेषण

गुण	दोष
① विधि का शासन सुनिश्चित	① बेहतर पेशेवर रिकॉर्ड युक्त व्यक्ति की सेवा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② मीडिया तथा CSO द्वारा सहयोग एवं समन्वय	का लाभ ना उठा पाना
③ मानवीय गरिमा का उल्लंघन नीति-टॉलोरेंस	② महामारी उन्मूलन तथा प्रबंधन पर प्रभाव
④ समाज की वाहवाही अर्जित करना	③ बिना जांच के कार्रवाई की ओर बढ़ने की मानसिकता

विकल्प 2 – तत्काल इन दबावों पर ध्यान ना देकर उनकी सेवा का लाभ उठाना

गुण	दोष
① महामारी प्रबंधन में पेशेवर दक्षता का लाभ मिलना	① अधीनस्थ महिलाओं में निराशा का भाव संभव
② जनता के हितों तथा स्वास्थ्य की देखभाल	② मीडिया द्वारा दबाव
③ अधिकारी पर नैतिक दबाव का निर्माण	③ मानवीय गरिमा की उपेक्षा करना
	④ गलत कार्यों के प्रति अप्रत्यक्ष सहयोग-समर्थन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) मेरी कार्यवाई तथा तर्काधार

(1) वरीय अधिकारियों तक ममला प्रेषण जिससे विधि का शासन सुनिश्चित

(2) मामले की जांच होने तक अधिकारी को कर्तव्य निर्वहन हेतु निर्देशित करना ताकि महामारी प्रबंधन में पेशेवर क्षमता का लाभ मिले

(3) अधीनस्थ महिलाओं तथा अधिकारी सबको उचित मौका देकर अपना पक्ष रखने हेतु जांच समिति को सहयोग देना ताकि निष्पक्षता तथा कानून की तटस्थता बनी रहे

(4) दोषी साबित होने पर निलंबन हेतु अनुशंसा एवं तत्काल नये CMO की मांग जिससे अपराध के प्रति जीरो-टॉलरेंस सुनिश्चित हो।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are posted as the Superintendent of Police (SP) of a district, which has witnessed several lynching related crimes in the recent past. One day, a police station in the district got an SOS that in a particular village under their jurisdiction, two women have been accused of witchcraft and are now being paraded naked by the villagers. Given the past record of crimes in the village, it was likely that they would be killed by the villagers. When a police team from the station reached the spot and tried to save the two women from the mob, a scuffle broke out. In the ensuing scuffle, the police were brutally attacked and they had to retaliate by lathicharging in order to save themselves. The incident left three villagers dead. There is anger amongst the villagers, who are also a critical vote bank of the ruling party in the state. As the SP, you have been instructed to institute a quick enquiry and take the strictest action against the police team who lathicharged. You are aware that with elections around the corner, you need to diffuse the situation quickly.

Given the situation, answer the following :

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) As an objective and scientfic-tempered administrator, what steps will you suggest in the long-run to deal with mob lynching? **(20)**

आप उस जिले के एक पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं, जहां हाल के दिनों में लिंचिंग से संबंधित कई अपराध हुए हैं। एक दिन, जिले के एक पुलिस स्टेशन को एक SOS मिला कि उनके क्षेत्राधिकार के एक विशेष गांव में दो महिलाओं पर जादू टोना करने का आरोप लगाया गया है और ग्रामीणों द्वारा उन्हें नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है। गांव में अपराधों के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, यह संभावना थी कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा मार दिया जाएगा। थाने से पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को भीड़ से बचाने का प्रयास किया तो हाथापाई हो गई। आगामी हाथापाई में, पुलिस पर बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें स्वयं को बचाने के लिए लाठीचार्ज करके जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस घटना में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गुस्सा है, जो राज्य में सत्ताधारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक भी हैं। एक SP के रूप में, आपको त्वरित जांच करने और लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आप जानते हैं कि चुनाव नजदीक हैं, आपको स्थिति को जल्द से जल्द शांत करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(c) एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाले प्रशासक के रूप में, मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए दीर्घावधि में आप क्या कदम सुझाएंगे?

उपर्युक्त केस स्टडी में विधि के शासन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को सुनिश्चित करने में आने वाली चुनौतियों तथा समस्याओं को दर्शाया गया है। साथ ही भीड़ की हिंसा तथा राजनीतिक दबाव का भी संदर्भ है।

(9)

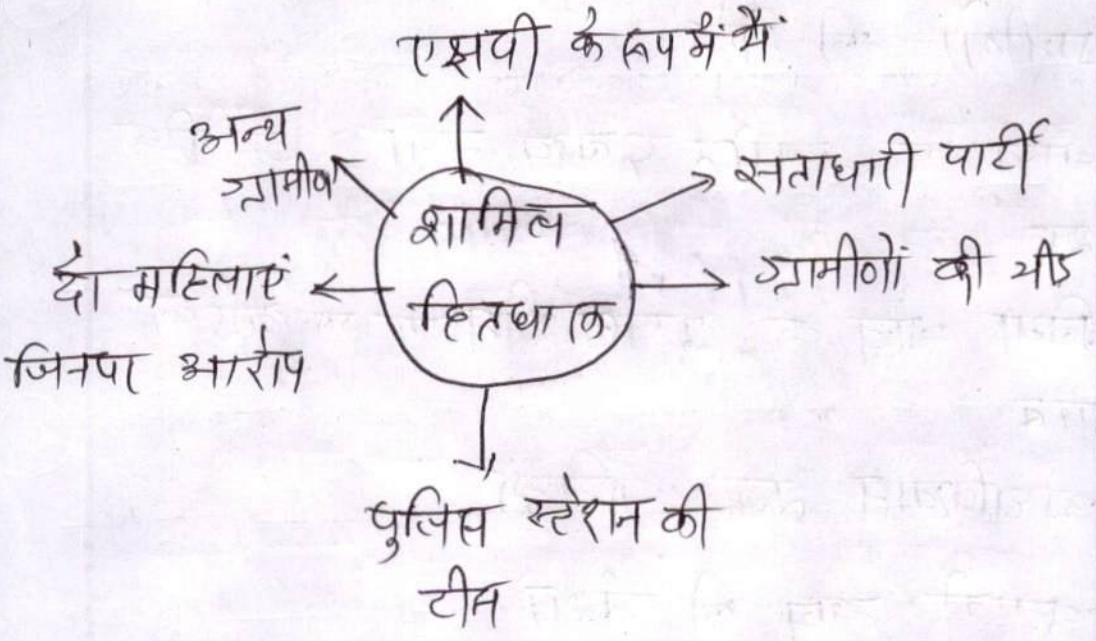

प्रकरण में शामिल विभिन्न मुद्दे

- महिला की गरिमा का उल्लंघन
- सिर्फ आरोप लगाकर विधि-व्यवस्था बिगाड़ना
- भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेने की मंशा
- गांव में अपराधों का पुराना रिकॉर्ड
- विधि-व्यवस्था संरक्षण में लगी पुलिस

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

टीम पर हिंसक हमला

- स्वयं की जान बचाना तथा जवाबी कार्रवाई की तर्काधार
- 2 महिलाओं की जान बचाना बनाम 3 ग्रामीणों की मौत
- जाँच का त्वरित दबाव तथा राजनीतिक दबाव
- बिना जांच के पुलिस टीम पर कार्रवाई का दबाव
- अंधविश्वास तथा अशिक्षा
- चुनावी लाभ की मंशा

(b) मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प

विकल्प 1 → राजनीतिक दबाव के अनुरूप पुलिस टीम का निलंबन तथा मामले की त्वरित जांच हेतु टीम का गठन

विकल्प 2 → निलंबन से पूर्व विधि-व्यवस्था बनाने पर जोर तथा राजनीतिक

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दवाब की उपेक्षा

विकल्प 3 - जांच हेतु टीम का गठन कर तीव्र जांच हेतु निर्देश। तबतक टीम को लाइन हाजिर करना

मेरी कार्रवाई

① मैं विकल्प 3 को ज्यादा प्राथमिकता दूंगा क्योंकि बिना जांच के निलंबन से भले ही राजनीतिक सहयोग मिले पर इससे पुलिस बल का मनोबल गिरेगा।

② मेरे चयनित विकल्प के गुण - दोष

गुण	दोष
① पुलिस बल का मनोबल रखना	① अव्यवस्था तथा अशांति संभव
② विधि के अनुरूप	② मेरा स्थानांतरण संभव
③ भीड़ की हिंसा के खिलाफ	③ राजनीतिक दल का मेरे प्रति गलत रवैया संभव
④ दवाबों के आगे ना झुकते हुए सर्वोत्तम निर्णय तथा साहस	

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c)

मॉब लिंचिंग से निपटने हेतु सुझाव

- ज्यादा सख्त तथा प्रभावी कानून प्रवर्तन लागू करना
- पुलिस बलों को सहयोग तथा समर्थन
- सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर विधि के उल्लंघन के प्रति सचेत करना
- धार्मिक गुरुओं का सहयोग लेकर अंधविश्वास के खिलाफ माहौल तैयार करना
- राजनीतिक नेतृत्व के सम सहयोग एवं समन्वय से मामलों को हल करने के प्रति इच्छाशक्ति का विकास

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are an Airworthiness Officer posted with the Directorate General of Civil Aviation, tasked to conduct the safety audit of a major airline of the country. During the recent audit, you find that some of the airplanes belonging to the airline do not fully meet a few of the International Civil Aviation Organization (ICAO) safety standards. The issues are minor, mainly pertaining to some incomplete aircraft maintenance logs and safety rules related to training of the crew. The airline belongs to a very influential business conglomerate with close ties to all major national political parties and has a long history of ethical business practises. The point person appointed by the airline to communicate with you has assured that everything will be in order in a couple of months. Your senior in the department has also indicated that it is best not to mention such minor issues in the report, particularly given the image of the business group involved and the trust it enjoys. He also reiterates the assurance given by the airline to address these issues at the earliest in a time-bound manner. However, you are aware that airline safety norms are paramount and every other consideration is secondary to the safety of the crew and passengers. As a public servant appointed to uphold public trust, answer the following:

(a) Bring out the dilemmas that you face, elaborating on the competing values in the given situation.

(b) What are the options available to you? Discuss the merits and demerits of each. Which of these will you choose and why? **(20)**

आप नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में तैनात एक वायुयान अधिकारी हैं, जिसे देश की एक प्रमुख एयरलाइन की सुरक्षा ऑडिट करने का काम सौंपा गया है। हाल के ऑडिट के दौरान, आप पाते हैं कि उस एयरलाइन से संबंधित कुछ हवाई जहाज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के कुछ सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं करते हैं। ये मुद्दे बहुत मामूली हैं, जो मुख्य रूप से कुछ अधूरे विमान रखरखाव लॉग और चालक दल के प्रशिक्षण से संबंधित सुरक्षा नियमों से संबंधित हैं। एयरलाइन का सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से घनिष्ठ संबंध है और साथ ही यह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यापारिक समूह से संबंधित है एवं इसका नैतिक व्यापार व्यवसाय का एक लंबा इतिहास है। आपके साथ बात-चीत करने के लिए एयरलाइन द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने आश्वासन दिया है कि कुछ महीनों में सब व्यवस्थित हो जाएगा। विशेष रूप से इसमें शामिल व्यावसायिक समूह की छवि और इसे प्राप्त विश्वास को देखते हुए विभाग में आपके वरिष्ठ ने भी संकेत दिया है कि रिपोर्ट में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों का उल्लेख न करना ही बेहतर है। उन्होंने एयरलाइन द्वारा इन मुद्दों को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए दिए गए आश्वासन को भी दोहराया। हालांकि, आप जानते हैं कि एयरलाइन सुरक्षा मानदंड सर्वोपरि हैं और चालक दल एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई भी अन्य विचार गौण हैं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए नियुक्त एक लोक सेवक के रूप में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का सविस्तार वर्णन करते हुए, आपके सामने आने वाली दुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल विभिन्न प्रतिस्पर्धी मूल्य तथा नैतिक दुविधाएं

(1) एयरलाइन में सुरक्षा मानदंड में कमी का मुद्दा जिससे सुरक्षा तथा जानमाल का जोखिम बनाम संबंधित एयरलाइन का प्रमुखता से राष्ट्रीय संचालन का अनुभव

(2) एयरलाइन के कुछ हवाई जहाज में मामूली खामी का आपात बनाम पूरी एयरलाइन की छवि धूमिल होने का मुद्दा

(3) प्रभावशाली व्यापारिक समूह की सदाचारिता बनाम मेरी आधिकारिक भूमिका का निर्वहन

(4) कर्तव्यपरायणता तथा विधिक मानदंडों का पालन बनाम वरीष्ठ अधिकारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

द्वारा दवाब बनाना

(5) एयरलाइन का नैतिक व्यवसाय का लंबा इतिहास बनाम वर्तमान खामियों का उजागर होना

(6) एयरलाइन द्वारा जल्दी से मुद्दों को हल करने का आश्वासन देना बनाम रिपोर्ट में इस पक्ष को उजागर करना।

(7) जनता के विश्वास का क्षरण बनाम दवाब के प्रति मेरी सुग्राह्यता

(b) **उपलब्ध विकल्प तथा उनके गुण-दोष**

विकल्प 1 मामलों की लिखित रिपोर्ट न करना तथा आश्वासन के अनुरूप एयरलाइन पर विश्वास करना

गुण	दोष
(1) विभागीय वरिष्ठ का सहयोग तथा समर्थन	(1) अंतर्राष्ट्रीय मानकों के उल्लंघन के प्रति

(2) एयरलाइन के नैतिक छवि पर संकट नहीं	उदासीनता
(3) मामूली मामलों का इतना व्यापक प्रभाव नहीं	(2) चालक दल तथा यात्रियों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न
(4) राजनीतिक दल तथा व्यापारिक समूह का समर्थन	(3) मेरी पेशेवर नैतिकता पर प्रश्नचिह्न
	(4) मेरी सत्यनिष्ठा पर सवाल

विकल्प-2 → लिखित ऑडिट रिपोर्ट में खामियों का उल्लेख करके वापस जमा करना

गुण	दोष
(1) कर्तव्यपरायणता तथा पेशेवर नैतिकता का पालन	(1) एयरलाइन के प्रति अविश्वास तथा जनता का इससे दूर जाना
(2) यात्रियों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित	(2) वरिष्ठ अधिकारी के साथ-2 राजनीतिक दल एवं व्यापारिक समूह का बैर संभव
(3) पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा	

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मेरा चयन तथा तर्कधारा

- मैं विकल्प 2 की तरफ प्राथमिकता दूँगा क्योंकि विधि के शासन तथा कर्तव्यनिष्ठा का पालन होगा।
- लोकसेवक से अपेक्षित भूमिका के अनुरूप कार्य निष्पादन
- जनता का सार्वजनिक अधिकारियों में विश्वास बढ़ाने में सहायक
- भारतीय मानकों का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन तथा विश्वास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. With the advent of 24x7 news and prevalence of an array of news sources across the board, the media is omnipresent in nature. In this competitive environment, many media professionals who are overcome by deadlines, bottom-line imperatives, and corporate interests are losing sight of the ethical implications of their work. Further, there have been several cases of irresponsible reporting where the reportage has interfered with court proceedings, compromised delicate security situations or led to the spread of fake or unverified news. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues prevalent in the profession of media.

(b) How does unethical reporting and sensationalization of news impact the society?

(c) What can be done to strengthen the role of ethics in media? **(20)**

24x7 समाचारों की शुरुआत और संपूर्ण बोर्ड पर समाचार स्रोतों की एक श्रृंखला के प्रसार से, मीडिया प्रकृति में सर्वव्यापी है। इस प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई मीडिया पेशेवर जो समय-सीमा, आधारभूत अनिवार्यताओं और कॉर्पोरेट हितों को पीछे छोड़ चुके हैं, वे अपने काम के नैतिक निहितार्थों की दृष्टि खो रहे हैं। इसके अलावा, गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग के कई मामले भी सामने आए हैं जहां रिपोर्ट ने अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है, संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों से समझौता किया है या गलत अथवा असत्यापित समाचारों को फैलाया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(c) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

उपरोक्त प्रश्न में मीडिया रिपोर्टिंग की बदलती प्रवृत्ति का संदर्भ दिया गया है

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दें

(1) ज्यादा प्रतिस्पर्धा भरे वातावरण में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

काम का दबाव

(2) समय सीमा की अनिवार्यता से उत्पन्न काम में स्ट्रेस का पनपना होना

(3) कॉरपोरेट समूहों तथा स्वामित्वधारकों के हितों की रक्षा

(4) गैर-जिम्मेदाराना रिपोर्टिंग तथा इससे कई बार अदालती कार्यकलाप में हस्तक्षेप

(5) संवेदनशील सुरक्षा तथा खुफिया जानकारियों का प्रचार करना

(6) बिना सत्यापन के समाचार का प्रसार करना

(7) गलत सूचना तथा फेक न्यूज का प्रसार करना

(8) लोकतंत्र के चौथे स्तंभ तथा प्रहरी के रूप में मीडिया पर प्रश्नचिन्ह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग तथा सनसनीखेज समाचार से समाज पर प्रभाव

- लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होना
- सामाजिक समरसता का ह्रास होकर सामाजिक विद्वेष तथा संघर्ष उत्पन्न होना
- सामाजिक नैतिक मूल्यों के क्षरण का बढ़ावा जिससे व्यक्तिगत स्तर के साथ-2 सामुदायिक स्तर पर मूल्यों में गिरावट
- समाचारों की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न जिससे जानने के अधिकार पर प्रहार
- लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में भूमिका पर सवाल से गंभीर संकट

- मॉब लिंचिंग, हेट स्पीच जैसे मामलों में वृद्धि संभव
- बिना सत्यापित समाचार के आरोपी को अपराधी बताने से मानवीय गरिमा पर प्रहार

(c) **नैतिकता सुदृढ़ीकरण हेतु उपाय**

- समाचारों की जवाबदेही हेतु भारतीय प्रेस परिषद् को ज्यादा अधिकार देकर सशक्त बनाना
- उत्तरदायित्व की भावना का विकास करने हेतु सिद्धांतों के संदर्भ में जागरूकता को बढ़ावा
- गलत तथा अपुष्ट खबरों से उत्पन्न सामाजिक-विधिक चुनौतियों हेतु इनको जवाबदेह बनाना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- मीडिया को ऑफ क्रिमिनल के संहिताकरण का बढ़ावा
- नैतिक मानदंडों के अनुपालन हेतु आंतरिक रूप से शपथ दिलवाने हेतु कंपनियों/मीडिया समूहों को बाध्य करना

———×———

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the Dean of Academics of a University. It has been brought to your notice that some students have raised a complaint against Mr X, a specially-abled Professor at the University, for not performing his academic duties diligently. The Head of the Department (HoD) tried to have a conversation with him regarding these complaints; however, Mr X feels that he is a victim of internal politics and is being discriminated against on account of him being specially-abled. He also conveyed to the HoD that he will file a complaint of discrimination against the University under The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. As the Dean of Academics, it is your responsibility to uphold the academic standards of the University and take any administrative decision in this regard.

In this case, answer the following questions:

(a) State the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) What are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and state the option which you would choose, citing reasons. **(20)**

आप एक विश्वविद्यालय के अकादमिक डीन हैं। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के एक दिव्यांग प्रोफेसर मिस्टर X के विरुद्ध अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करने के लिए शिकायत की है। विभागाध्यक्ष (HoD) ने इन शिकायतों के संबंध में उनसे बात करने का प्रयास किया है; हालांकि, मिस्टर X को लगता है कि वह विश्वविद्यालय की आंतरिक राजनीति के शिकार हैं और उनके दिव्यांग होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को यह बताया भी है कि वह *दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016* के तहत विश्वविद्यालय के भेदभाव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएंगे। अकादमिक डीन के रूप में आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बनाए रखें और इस संदर्भ में आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करें।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) उनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए उस विकल्प को बताइए जिसे आप चुनेंगे।

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारक

– अकादमिक डीन के रूप में मैं,

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- दिव्यांग प्रोफेसर मित्र ×
- विभागाध्यक्ष
- विश्वविद्यालय
- छात्रों का समूह
- राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां

अंतर्निहित नैतिक मुद्दे

(1) शैक्षणिक कर्तव्य के निर्वहन में कोताही का आरोप

(2) दिव्यांगजन के अधिकारों का मुद्दा

(3) दिव्यांगजन के साथ भेदभाव

(4) शैक्षणिक मानक तथा माहौल बनाए रखना

(5) प्रशासनिक कार्रवाई सहित पठन-पाठन गतिविधि को सुचारु रखना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(6) छात्रों की शिकायतों की जांच करना

(7) विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा का मुद्दा

(b) **उपलब्ध विकल्प**

(1) विकल्प 1 → दिव्यांग प्रोफेसर को अपने पास बुलाकर उनका पक्ष जानना तथा खुद मामला सुलझाने के प्रयास

गुण	दोष
- मामला सुलझाने की मंशा	- आपके भी संलिप्तता के आरोप लगने की संभावना
- विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा पर मीडिया में चर्चा नहीं	- व्यक्तिगत हित बनाम विश्वविद्यालय हित में संघर्ष संभव

(2) विकल्प 2 → मामले की जांच हेतु कुलपति से सिफारिश करना

गुण	दोष
(1) प्रक्रिया का पालन	(1) मामला के कानून

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुनिश्चित (2) प्रशासनिक सहयोग के साथ जांच को बढ़ावा (3) दिव्यांग प्रोफेसर का समर्थन संभव	प्रवर्तन एजेंसी तक जाने की आशंका (2) विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को मीडिया में लीकेज होने का आघात

(c) मेरी कार्रवाई तथा कारण

- मैं विकल्प 2 का चयन करूंगा
- इससे प्रक्रियागत स्पष्टता तथा विधिक निर्णय सुनिश्चित
- प्रशासनिक अधिकारियों तक मामला जाने पर विश्वविद्यालय की भूमिका संदेह के घेरे में नहीं
- दिव्यांग पर आरोप बनाम दिव्यांग को पद जानने हेतु जांच विकल्प के चयन से निष्पक्षता तथा तटस्थता संभव

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

— डीन के नाते मेरी जिम्मेदारी का निर्वहन ज्यादा प्रभावी तरीके से संभव

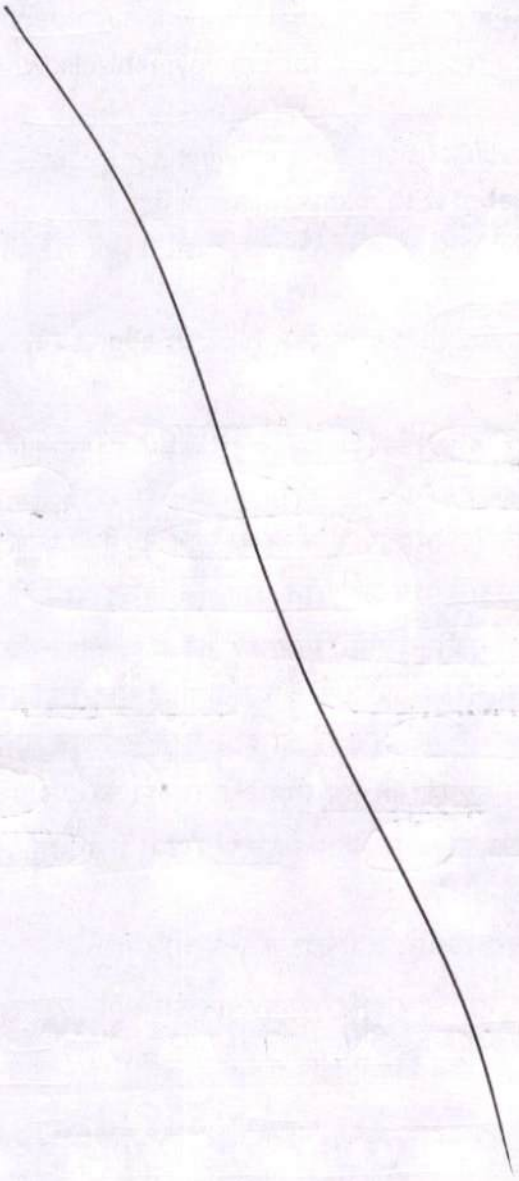

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have recently been posted as the District Magistrate of a poor district in India where there is a high prevalence of manual scavenging. It has been brought to your notice that manual scavenging has claimed many lives in your district. Upon further enquiry, you found that most of the manual scavengers belong to a particular caste, and majority of them can find employment only by way of scavenging. Even some government departments in your district are employing these people for physical cleaning of sewers/septic tanks without basic safety gear and measures. Despite the rehabilitation programmes for manual scavengers, the administration has been found inefficient in identifying such people in the first place and the efforts to reskill them for employment elsewhere have not yielded desired results.

Based on the given information, answer the following:

(a) Identify the issues associated with manual scavenging.

(b) List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

(c) Discuss some feasible steps that you can take to address this serious problem. **(20)**

आपको हाल ही में भारत के एक गरीब जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है जहां हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) का प्रचलन बहुत अधिक है। आपके संज्ञान में लाया गया है कि आपके जिले में मैला ढोने की प्रथा ने कई लोगों की जान ले ली है। आगे जांच करने पर, आपने पाया कि हाथ से मैला उठाने वाले अधिकांश लोग एक विशेष जाति के ही हैं और उनमें से अधिकांश केवल मैला ढोकर ही रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आपके जिले के कुछ सरकारी विभाग भी बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरणों और उपायों के सीवरों/सेप्टिक टैंकों की भौतिक सफाई के लिए इन लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। हाथ से मैला उठाने वालों के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों के बावजूद, सर्वप्रथम प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान करने में अक्षम रहा है और अन्यत्र रोजगार के लिए उन्हें फिर से कौशल प्रदान करने के प्रयासों के वांछित परिणाम भी नहीं मिले हैं।

ऊपर दी गयी जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आप जो संभव कदम उठा सकते हैं, उन पर चर्चा कीजिए।

(6) हाथ से मैला ढोने से जुड़े मुद्दे

1. मानवीय गरिमा का उल्लंघन
2. जातिगत भेदभाव संभव
3. स्वास्थ्य पर गंभीर प्रश्नचिन्ह
4. सरकारी विभागों की अक्षमता तथा संलिप्तता
5. पुर्नवास कार्यक्रमों का प्रभावी रूप से लागू ना हो पाना
6. कौशल दक्षता के प्रयासों में आक्रामकता ना होना
7. अनु० 21 सहित संवैधानिक तथा लोकतांत्रिक भावनाओं के खिलाफ
8. संबंधित व्यक्तियों तथा जुड़े सदस्यों के रोजगार का मुद्दा।
9. सामाजिक असमानता का आगाज

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) उपलब्ध विकल्प तथा गुण-दोष

(विकल्प-1) मामले की जांच हेतु टीम का गठन तथा इनके पुनर्वास हेतु प्रयासों की समीक्षा

गुण	दोष
① सांविधिक कानूनों के अनुरूप	① सरकारी विभागों से पर्याप्त सहयोग तथा समर्थन का अभाव
② मानवीय गरिमा का संरक्षण	② अपर्याप्त वित्तीय तथा भौतिक मशीनीकरण एवं अवसंरचना की से जूझना
③ लोकतांत्रिक मूल्य विकास	
④ सामाजिक गतिशीलता तथा समरसता बढ़ावा	

(विकल्प 2) → मामले को नजरअंदाज करके सिर्फ उनमें जागरूकता प्रयास बढ़ाना

(गुण) → ① हाल ही में पोस्टिंग के ज्यादा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गहराई से जानकारी का अभाव

(2) अन्य प्रशासनिक कार्यों पर ध्यान

दोष →

(1) कर्तव्यनिष्ठा ~~का~~ उल्लंघन

(2) मानवीय गरिमा के प्रति अनादेखी

(3) बड़े मामले तथा मौत की आशंका

(C) समस्या समाधान हेतु कदम

(1) कठोर दंड तथा अन्य विधायी उपायों को गंभीरता से लागू करने के प्रयासों को बढ़ावा

(2) सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता विभाग की मदद से जागरूकता कार्यक्रम

(3) उनके पुनर्वास तथा कौशल हेतु व्यापक सक्षम, त्वरित तथा अनुकूल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यवस्था एवं तंत्र का निर्माण करना

(5) मामले की छानबीन तथा रिपोर्टिंग हेतु स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग बढ़ाना।